मौलाना हमीदुल हसन साहिब के नाम मौलाना मिर्ज़ा अतहर साहिब के ताईदी ख़त का हिन्दी अनुवाद

महिम सेवा में,

हुज्जतुल इस्लाम वल मुस्लिमीन (इस्लाम और मुसलमानों के प्रमाण) अमीरुल उलमा मौलाना सैयद हमीदुल हसन साहिब क़िबला दामा ज़िल्लकुमुल आली (सदा आपका ऊँचा साया रहे)।

सलामुन अलैकुम

उम्मीद है स्वभाव स्वास्थ्य–मय होगा।

महोदय का भेजा हुआ फ़ैक्स ''अज़ादारी के बारे में शिया–सुन्नी अस्थायी समझौते'' के बारे में मिला। चूँकि

(1) इस समझौते में शियों को पिछले साल की अपेक्षा चार जुलूस ज़्यादा मिल रहे हैं,

(2) सुन्नीगण (हज़रात) के 'जुलूस' के नाम का सम्बन्ध उन्हीं से है, शिया या सरकार की ओर से नहीं है,

(3) शेष जुलूसों और माँगो के सम्बन्ध से बातचीत का दरवाज़ा खुला है,

(4) समझौता अस्थायी प्रकार का है,

(5) किसी के पारम्परिक अधिकारों के प्रभावित न होने की बात भी कही गयी है,

अतः मेरे विचार में इसको फिलहाल (अभी) स्वीकार कर लेने में कोई विपत्ति नहीं है। फिर भी आप और दूसरे ज़िम्मेदारों (Responsible Persons) की जो राय हो मुझे उस से विरोध (असहमति) न होगा।

इति

भवदीय

(ह0 मौलाना मिर्ज़ा मुहम्मद अतहर)

Mirza Mohd. Athar

0091-522-268115
0091-522-268160
Fax 0091-522-268160

Date: 31/4/94

[illegible]

گرامی قدر جناب حجۃ الاسلام والمسلمین [illegible] مولانا سید [illegible]

سلام علیکم

امید کہ مزاج گرامی بخیر و عافیت ہوگا۔

جناب کا مرسلہ سرکلر "عزاداری کے متعلق شیعہ سنی علماء کی مفاہمت" سے متعلق موصول ہوا

چونکہ

(۱) یہ مفاہمت [illegible] شیعوں کو گزشتہ سال کے مقابلے میں [illegible]

(۲) سنی حضرات کے جلوس [illegible] کا کوئی [illegible] ہے جو شیعہ یا حکومت کی طرف سے نہیں ہے

(۳) بانی جلوس [illegible] کے متعلق [illegible] گفتگو کا دروازہ کھلا ہے۔

(۴) سمجھوتہ عارضی [illegible] ہے

(۵) [illegible] روایتی حقوق [illegible] نہ ہونے کی بات [illegible] ہو گئی ہے

لہذا میرے خیال میں اس کو [illegible] قبول کرنے میں کوئی مضائقہ نہیں ہے

بہرحال آپ اور دیگر ذمہ داران کی جو رائے ہو مجھے اس سے اتفاق ہوگا

فقط
والسلام

مرزا محمد اطہر

Shahganj Lucknow - 226 003 U.P. India